भारत सरकार

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

 **राज्‍य सभा**

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या : 2121

उत्‍तर देने की तारीख : 12 मई, 2016

**पुडुचेरी के जवाहर नवोदय विद्यालय में रिक्तियां**

**2121. श्री एन॰ गोकुल कृष्णनः**

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) पुडुचेरी में जवाहर नवोदय विद्यालयों की स्थिति क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि पुडुचेरी में जवाहर नवोदय विद्यालय में शिक्षण कर्मचारियों की नौ

रिक्तियां हैं;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी स्कूल-वार ब्यौरा क्या है और ये कब से रिक्त पड़ी हैं; और

(घ) रिक्तियों को भरने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं और इन सभी पदों के कब तक भरे

जाने की संभावना है?

**उत्‍तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्री**

**(श्रीमती स्‍मृति ज़ूबिन इरानी)**

(क): पुडुचेरी के 4 जिले जो पुडुचेरी, कराईकल, माहे और यनम हैं, प्रत्येक जिले में एक कार्यात्मक जवाहर नवोदय विद्यालय (जनवि) है।

(ख) और (ग): आज की तारीख के अनुसार केन्द्र शासित क्षेत्र पुडुचेरी के जवाहर नवोदय विद्यालयों में शिक्षण कर्मचारियों की 10 रिक्तियां हैं। विद्यालय-वार ब्यौरा निम्नवत हैः

|  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- |
| क्र.स. | जनवि का नाम | रिक्त पद | कब से रिक्त |
| 1. | पुडुचेरी | सामाजिक उपयोग और उत्पादक कार्य (एसयूपीडब्ल्यू) शिक्षक | 2010 |
| 2. | कराईकल | पीजीटी (हिन्दी) | 2008 |
|  | पीजीटी (अंग्रेजी) | 2015 |
|  | पीजीटी (भौतिकी) | 2014 |
|  | पीजीटी (रसायन) | 2015 |
|  | पीजीटी (जीव विज्ञान) | 2014 |
| 3. | माहे | पीजीटी (कम्प्यूटर विज्ञान) | 2012 |
|  | एसयूपीडब्ल्यू अध्यापक | 2010 |
| 4 | यनम | पीजीटी (भौतिकी) | 2010 |
|  | एसयूपीडब्ल्यू अध्यापक | 2016 |

चयनित अभ्यार्थियों के कार्यभार ग्रहण न करने के कारण, चयन पैनल में पर्याप्त अभ्यार्थियों की अनुपलब्धता, शिक्षकों की प्रोन्नति और स्थानांतरण के कारण ये पद रिक्त रहे हैं।

(घ): शिक्षण कर्मचारियों की रिक्तियों को भरना एक सतत् प्रक्रिया है। सीधी भर्ती के माध्यम से रिक्तियों को भरने की कार्रवाई पहले ही शुरू हो चुकी है। तथापि, जबकि नियमित भर्ती की प्रक्रिया समय-समय पर शुरू की जाती है, अंतरिम रूप से छात्रों के शैक्षिक हित प्रतिकूल रूप से प्रभावित न हो यह सुनिश्चित करने को देखते हुए, आवश्यकता के अनुसार संविदा शिक्षकों को लगाया गया है।

\*\*\*\*\*